# Co-working space for startups set up at Maurya Lok Complex

Sana Nawaz | TNN

**Patna:** A co-working studio for startups, to be known as B-Hub, has been established by the state industries department and managed by Chandragupt Institute of Management Patna's Business Incubation and Innovation Foundation at Maurya Lok Complex. It will be formally inaugurated in March. The studio provides space to startups that cannot afford their own offices.

Spread over 13,800 square feet area, it is located on the fifth floor of the Maurya Lok Complex, A-Block. It has 185 seats.

The state-of-the-art shared workspace has been operating since January 2. Startups can apply for seats there through the Bihar Startup website. So far, B-Hub has allocated 104 seats to 62 startups.

Free Wi-Fi, airconditioners, cafeteria and a conference room are there. It also provides market linkage assistance, investor connect programs, mentorship sessions and pitch deck preparation workshops, among other services.

Pic: Ranjeet Kumar

## INDUSTRIES DEPT INITIATIVE

**MOTIVE**
Providing co-working space at a low cost to startups which cannot afford own office

**AREA**
13,800 square feet

**TOTAL SEATS**
185

**LOCATION**
5th floor of Maurya Lok Complex, A-Block

**Present seats allocation**
104 seats to 62 startups

**Charges**
₹100 per seat (daily), ₹1,500 per fixed seat (monthly) and ₹1,000 per flexible seat (monthly) for a period of two years

**Support for startups**
Market linkage assistance, investor connect programs, mentorship sessions and pitch deck preparation workshops

**Facilities**
Free Wi-Fi, dedicated parking, escalator, conference hall and canteen

In a bid to promote the startup ecosystem, National Startup Day was celebrated there on Monday. Development commissioner Vivek Kumar Singh, principal secretary (industries) Sandeep Poundrik, Anubha Prasad, general manager, Small Industries Development Bank of India (SIDBI), Pankaj Dixit, director (industries) and Dr Rana Singh, director of CIMP were present on the occasion.

"The industries department is aiming to improve the startup ecosystem in Bihar. Startup units must work hard to develop an entrepreneurial culture," Singh said and added: "A startup will be successful if there is complete dedication to work and a spirit of perseverance."

Poundrik said startup entrepreneurs can take their companies to international level by working with the right planning and strategy.

Prasad said it is necessary to establish the best ecosystem for the success of startups. "B-Hub is one such platform where all startups of Bihar can work together and help each other grow," Prasad said and added: "The aim of the startups should not be just to get seed fundings, but efforts should be made to get bigger investments through angel investors."

Times of India ! Page No - 03 ! Date - 17-01-2023 !

## नेशनल स्टार्टअप डे. बिहार विद्यापीठ में समारोह के उद्घाटन में बोले उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ

# उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए हो रहे बड़े प्रयास

संवाददाता, पटना

प्रदेश के उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ ने कहा है कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत उद्यमिता को बढ़ावा दे कर रोजगार सृजन की दिशा में बड़ा प्रयास कर रही है. इसी वित्तीय वर्ष में इसके लिए वित्तीय प्रावधान कर दिये गये हैं. बिहार सरकार युवाओं को उद्यमी बनाने की दिशा में कई स्तर पर प्रयास कर रही है. इसके सकारात्मक प्रयास जल्दी ही सामने आयेंगे. उन्होंने यह बात सोमवार को देशरत्न भवन के सभागार में बिहार विद्यापीठ स्थिति इन्क्यूबेशन सेंटर में स्टार्ट अप डे समारोह में कही. उन्होंने कहा कि उद्यमी तैयार करने में अटल इन्क्यूबेशन सेंटर की अहम भूमिका है. एआइसी- बिहार विद्यापीठ नीति आयोग की तरफ से नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए बिहार में स्थापित एकमात्र संस्थान है.

कार्यक्रम का अध्यक्षीय भाषण में एआइसी बिहार विद्यापीठ के अध्यक्ष सह सीइओ विजय प्रकाश ने कहा कि कृषि और वाणिज्य से संबंधित कार्यों को उद्योग सदृश मिलने वाली सुविधाएं प्राप्त नहीं हैं. उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि. बिहार में वाणिज्य निदेशालय भी खोला जाना चाहिए.

स्टार्टअप की प्रदर्शनी में ड्रोन देखते उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ व अन्य.

कार्यक्रम के आकर्षण का केंद्र एआइसी बिहार विद्यापीठ के स्टार्टअप की प्रदर्शनी रही, जिसमें बच्चों की तरफ से बनायी विभिन्न रोबोट बनाये थे. कार्यक्रम में चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना के निदेशक डॉ राणा सिंह, बिहार महिला उद्योग संघ की अध्यक्षा उषा झा, लघु सूक्ष्म मध्यम उद्योग के निदेशक प्रदीप कुमार ने भी अपने विचार रखे.

इधर, चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) में सोमवार को स्टूडेंट्स के लिए एक इंटरेक्शन सत्र का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता देहात के सीइओ शशांक कुमार ने की. शशांक ने कहा कि स्टार्टअप में सरकार का फोकस अच्छा होना चाहिए.

## 800 युवाओं ने प्रतियोगिता से 20 करोड़ तक का फंड उठाया

**पटना.** इंटरप्रेन्योरशिप सेल एनआइटी पटना ने पांच दिवसीय यूथ जैम 2023 के अंतिम दिन राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस मनाया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण अग्रवाल ने बिहार में स्टार्ट अप कल्चर के प्रमोशन के बढ़ावा देने के बारे में बात की. उन्होंने बताया की बिहार में 800 युवाओं ने स्टार्टअप प्रतियोगिता में भाग लेकर 20 करोड़ तक का फंड उठाया है. हम बिहार में आइआइटी, एनआइटी और आइआइएम से एमओयू साइन करके स्टार्टअप की संख्या बढ़ाने की ओर प्रयासरत हैं. इंटरप्रेन्योरशिप सेल के प्रोफेसर इंचार्ज डॉ ओम जी शुक्ल ने बताया कि कुल 17 टीम ने अपने स्टार्टअप प्रोजेक्ट्स को इंडस्ट्री एक्सपर्ट के सामने प्रस्तुत किया, जिसमें टॉप तीन टीमें चुनी गयीं.

## आइडिया देकर पा सकते हैं 15 लाख का अनुदान

**पटना.** सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास कार्यालय की ओर से सोमवार को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया. उन्होंने बताया कि एमएसएमइ इनोवेटिव स्कीम के तहत नये बिजनेस आइडिया को संपोषित करने, उसके प्रोटोटाइप को डेवेलप करने और उस उत्पाद पर एमएसएमइ इकाई स्थापित करने के लिए होस्ट संस्थान के जरिये मंत्रालय होस्ट संस्थान कैपेसिटी बिल्डिंग के लिए एक करोड़ और नये आइडिया को विकसित करने के लिए प्रति आइडिया 15 लाख तक के अनुदान का प्रावधान है. मौके पर सहायक निदेशक सम्राट झा, संजीव आजाद, रविकांत और गोपाल प्रसाद सिन्हा मौजूद थे.

## सूबे में विश्वस्तरीय स्टार्टअप की पूरी संभावनाः विवेक

**पटना.** बिहार में स्टार्टअप के लिए अनुकूल वातावरण है. यहां विश्वस्तरीय स्टार्टअप तैयार होने की पूरी संभावना है. हालांकि, इसके लिए प्रतिभाओं को कठिन मेहनत करनी होगी. बिहार के विकास आयुक्त विवेक कुमार सिंह ने यह बात मौर्या लोक स्थित स्टार्टअप सेंटर बी हब में सोमवार को आयोजित राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस समारोह के दौरान कही. इससे पहले समारोह का शुभारंभ विकास आयुक्त विवेक कुमार सिंह, उद्योग विभाग के प्रधान सचिव संदीप पौंडरिक, सिडबी की महाप्रबंधक अनुभा प्रकाश, उद्योग निदेशक पंकज दीक्षित और चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना के निदेशक डॉ राणा सिंह ने संयुक्त रूप से किया.

Prabhat Khabar ! Page No - 04 ! Date - 17-01-2023 !

# सूबे में खड़े होंगे वर्ल्ड क्लास स्टार्ट-अप

**पटना (एसएनबी)।** उद्योग विभाग द्वारा मौर्यलोक स्थित स्टार्टअप सेंटर बी-हब में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में स्टार्टअप उद्यमियों को संबोधित करते हुए विकास आयुक्त विवेक कुमार सिंह ने कहा कि बिहार में स्टार्टअप इकोसिस्टम बेहतर बनाने के लिए उद्योग विभाग काम कर रहा है। बिहार में भी वर्ल्ड क्लास स्टार्टअप तैयार होने की पूरी संभावना है।

- **उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ाने और सतत प्रयत्नशील रहने के लिए कठिन मेहनत की जरूरत : विकास आयुक्त**
- **डिग्री प्राप्त कर लेना आसान है लेकिन सपनों को जीने के लिए दिन-रात को एक कर देना होता है**

स्टार्ट अप इकाइयों को उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ाने और सतत प्रयत्नशील रहने के लिए कठिन मेहनत की जरूरत है। उन्होंने कहा कि काम के प्रति पूर्ण समर्पण, लगन और काम को अंजाम तक ले जाने की भावना ही स्टार्टअप को सफल बनाएगी। विकास आयुक्त विवेक कुमार सिंह ने कहा कि डिग्री प्राप्त कर लेना आसान है लेकिन सपनों को जीने के लिए दिन-रात को एक कर देना होता है। स्टार्टअप उद्यमियों को न सिर्फ अपने सपने साकार करने हैं बल्कि अपने निवेशकों के सपनों को भी साकार करना है। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन करके विकास आयुक्त विवेक कुमार सिंह, उद्योग विभाग के प्रधान सचिव संदीप पौण्डरीक, सिडबी की महाप्रबंधक अनुभा प्रकाश, उद्योग निदेशक पंकज दीक्षित और चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना के निदेशक डॉ. राणा सिंह ने किया। कार्यक्रम में लोगों को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस की बधाई देते हुए उद्योग विभाग के प्रधान सचिव संदीप पौण्डरीक ने कहा कि स्टार्टअप के लिए पैशन, कमिटमेंट और अनलिमिटेड एनर्जी की आवश्यकता है। इनकी बदौलत ही स्टार्टअप को नई ऊंचाइयों तक ले जाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार सुविधाएं उपलब्ध करा रही हैं। स्टार्टअप उद्यमी सही प्लानिंग और स्ट्रेटजी के साथ काम करते हुए अपनी कंपनी को अंतरराष्ट्रीय मंच तक ले जाएं, जिससे बिहार का नाम रोशन हो। कार्यक्रम में सिडबी की महाप्रबंधक अनुभा प्रकाश ने कहा कि स्टार्ट अप की सफलता के लिए बेहतरीन को सिस्टम का होना आवश्यक है।

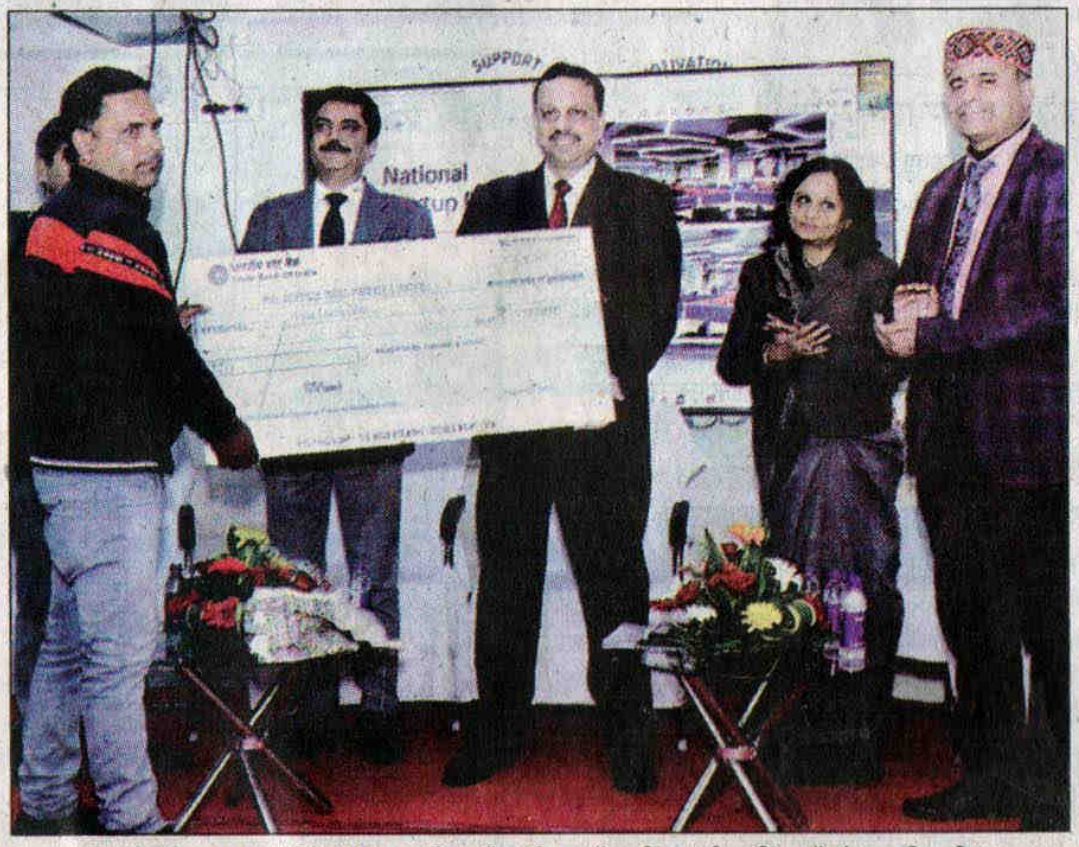

उद्योग विभाग द्वारा मौर्यलोक स्थित स्टार्टअप सेंटर बी-हब में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस में मौजूद अधिकारी।

बी-हब एक ऐसा ही मंच है जहां बिहार के सभी स्टार्टअप एक साथ मिल बैठकर के एक दूसरे की मदद कर सकते हैं और आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के तहत सिर्फ सीड फंड प्राप्त करना मकसद नहीं होना चाहिए बल्कि एंजल इन्वेस्टर्स के माध्यम से बड़ा निवेश के लिए प्रयत्नशील रहना चाहिए।

कार्यक्रम में सभी अतिथियों का स्वागत चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. राणा सिंह ने किया। उद्योग निदेशक पंकज दीक्षित ने धन्यवाद ज्ञापन किया। स्टार्टअप दिवस पर स्टार्टअप कंपनी देहात के को-फाउंडर शशांक, ग्राम श्री किसान की आस्था सिंह, हस्तसंसति प्रा. लि. की ममता और एग्रिक्स एग्रोटेक के डॉ. निलय पाण्डेय ने भी अपने विचार साझा किए।

Rashtriya Sahara ! Page No - 03 ! Date - 17-01-2023 !

# राज्य सरकार उद्यमिता को बढ़ावा दे रही है : समीर महासेठ

## बिहार विद्यापीठ ने मनाया राष्ट्रीय स्टार्टअप-डे

**पटना ( आससे )।** देशरत्न भवन के सभागार में अटल इंक्यूबेशन सेंटर, बिहार के विद्यापीठ के तत्वावधान में उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ की उपस्थिति में राष्ट्रीय स्टार्टअप-डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उद्योग मंत्री ने कहा कि 'राज्य सरकार मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देकर रोजगार सृजन की दिशा में सचेष्ट प्रयास कर रही है। अतिरिक्त वित्तीय प्रावधान भी वर्तमान वित्तीयवर्ष में किया गया है। आवश्यकता इस बात की है कि लोगों को सही प्रेरणा, सही मार्गदर्शन द्वारा उद्यमिता और स्वालंबन की दिशा में अग्रसर किया जाय, ताकि वे सरकारी योजना का लाभ ले सकें और सरकार द्वारा प्राप्त वित्तीय मदद का नियमानुसार उपयोग करें।' उन्होंने कहा कि नवाचार के द्वारा उद्यमियों के सशक्तीकरण से राष्ट्र निम्रण के मिशन को संपूर्णता मिलती है। 'युवा से उद्यमी' बनने के सपनों को साकार करने में अटल इंक्यूबेशन सेंटर की महत्वपूर्ण सार्थक भूमिका है।

अध्यक्षता करते हुए एआईसी बिहार विद्यापीठ के अध्यक्ष सह सीईओ विजय प्रकाश ने कहा कि कृषि और वाणिज्य से संबंधित कार्यों को उद्योग सदृश मिलनेवाली सुविधाएं प्राप्त नहीं हैं। एक्सपोर्ट इंपोर्ट्स का कोई विभाग बिहार में अब उपलब्ध नहीं है। इसके लिए बिहार के लोगों को कोलकाता जाना पड़ता है। बिहार में वाणिज्य निदेशालय भी खोला जाना चाहिए। बिहार सरकार का वाणिज्यिक विभाग नहीं है, जिससे बिहार के उद्यमियों को व्यापारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण का केन्द्र एआईसी, बिहार विद्यापीठ के स्टार्टअप की प्रदर्शनी रही। स्कूल ऑफ क्रिएटिव लर्निंग के बच्चों द्वारा निर्मित रोबोट की प्रदर्शनी की गयी, जिसे उद्योग मंत्री एवं अन्य गण्यमान्य अतिथियों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम में चंद्रगुप्त इंस्टिच्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना के निदेशक डा. राणा सिंह, बिहार महिला उद्योग संघ की अध्यक्षा उषा झा, लघु सूक्ष्म मध्यम उद्योग के निदेशक प्रदीप कुमार, एआईसी बिहार ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में डा. राणा अवधेश, मंत्री, बिहार विद्यापीठ ने स्वागत भाषण दिया और प्रमोद कर्ण, सीओओ-एआईसी-बीभी फाउंडेशन का धन्यवाद ज्ञापन किया।

Aaj ! Page No - 05 ! Date - 17-01-2023 !

# बिहार में शुरू होंगे वर्ल्ड क्लास स्टार्टअप

## बेहतर है बिहार का स्टार्टअप इकोसिस्टम

**PATNA (16 Jan):** उद्योग विभाग द्वारा मौर्यलोक स्थित स्टार्टअप सेंटर बी हब में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में स्टार्टअप उद्यमियों को संबोधित करते हुए बिहार के विकास आयुक्त विवेक कुमार सिंह ने कहा कि बिहार में स्टार्टअप इको सिस्टम बेहतर बनाने के लिए उद्योग विभाग काम कर रहा है. बिहार में भी वर्ल्ड क्लास स्टार्टअप तैयार होने की पूरी संभावना है. इस तरह से बताया गया कि स्टार्टअप इकाइयों को उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ाने और सतत प्रयत्नशील रहने के लिए युवाओं को कठिन मेहनत की जरूरत है.

स्टार्ट अप के बारे में जानकारी देते गेस्ट.

## समर्पण बनाएगी सफल

इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ विकास आयुक्त विवेक कुमार सिंह, उद्योग विभाग के प्रधान सचिव संदीप पौंडरीक, सिडबी की महाप्रबंधक अनुभा प्रकाश, उद्योग निदेशक पंकज दीक्षित और चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना के निदेशक डॉ राणा सिंह ने किया. संदीप पौंडरीक ने कहा कि स्टार्टअप के लिए पैशन, कमिटमेंट और अनलिमिटेड एनर्जी की आवश्यकता है. इनकी बदौलत ही स्टार्टअप को नई ऊंचाइयों तक ले जाया जा सकता है.

## इन क्षेत्रों में है बड़ी संभावना

बिजनेस एनवायरमेंट और संबंधित भौगोलिक क्षेत्र की जरूरतों के अनुसार ही स्टार्ट अप की संभावना भी होती है. स्टार्ट अप के विशेषज्ञ अर्चन देव ने कहा कि बिहार में एग्रीगेटर अच्छा काम कर रहे हैं. यह एग्रीकल्चर समेत विभिन्न सर्विस सेक्टर में कार्यरत भी हैं.

बिहार विद्यापीठ के अटल नवप्रवेशन सेंटर में उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ ने देशरत्न भवन में स्टार्ट अप डे का शुभारंभ किया. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्यमिता को बढ़ावा देते हुए रोजगार सृजन के लिए कार्य कर रही है.

**उद्यमशीलता की सोच दिलाएगी सफलता**

I-Next ! Page No - 05 ! Date - 17-01-2023 !

# रिस्क लेने वाले ही स्टार्टअप में बनाते हैं अपना भविष्य

पटना| चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में सोमवार को नेशनल स्टार्टअप दिवस पर इंटरेक्शन सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता देहात के सीईओ और सह-संस्थापक शशांक कुमार ने की। प्रोफेसर (डॉ.) राजीव वर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, सीआईएमपी ने स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि देहात भारत में अग्रणी कृषि आधारित कंपनी बन रही है। आज देहात स्टार्टअप की दुनिया में बहुत प्रसिद्ध है। देहात ने पटना से अपनी यात्रा शुरू की और अब पूरे भारत में काम कर रहे हैं। शशांक कुमार ने कहा कि कि जब वह कंसल्टिंग का काम छोड़कर बिहार आए थे तब सीआईएमपी केवल 2 साल का था। लेकिन समय बीतने के साथ उचित मार्गदर्शन और सुविधाओं के साथ सीआईएमपी ने खुद को एक ब्रांड के रूप में स्थापित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कृषि व्यवसाय के क्षेत्र में कृषि तकनीक के महत्व का भी उल्लेख किया। उन्होंने यह भी कहा कि स्टार्टअप में सरकार का फोकस अच्छा होना चाहिए। उनके अनुसार भारत में कुछ करने का यह सबसे अच्छा समय है। व्यावसायिक विचारों पर खर्च करने के लिए बहुत सारे अवसर और समय हैं। उन्होंने किसी व्यक्ति की सोच प्रक्रिया में स्पष्टता के बारे में भी बात की।

Dainik Bhaskar ! Page No - 04 ! Date - 17-01-2023 !

# भारत में कुछ करने का यह सबसे अच्छा समय

जागरण संवाददाता, पटना : चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) में सोमवार को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस पर छात्रों के लिए इंटरेक्शन सत्र का आयोजन किया गया। देहात स्टार्टअप के सीईओ और सह संस्थापक शशांक कुमार ने छात्रों को स्टार्टअप के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत में कुछ करने का यह सबसे अच्छा समय है। व्यावसायिक विचारों पर खर्च करने के लिए बहुत अवसर हैं। स्टार्टअप प्रारंभ करने के लिए किसी योग्यता की आवश्यकता नहीं है, कोई भी इसे कर सकता है। देहात 12 से अधिक राज्यों और 600 करोड़ से अधिक का कारोबार कर रहा है। देश में 11 हजार 286 केंद्रों में काम चल रहा है। अतिथियों का स्वागत एसोसिएट प्रोफेसर डा. राजीव वर्मा व प्रो. रंजीत तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

Dainik Jagran ! Page No - 02 !
Date - 17-01-2023 !

# बिहार में खड़े होंगे वर्ल्ड क्लास स्टार्ट-अप :

## स्टार्टअप के लिए पैशन, कमिटमेंट और अनलिमिटेड एनर्जी की जरूरत : पौण्डरीक

पटना/संवाददाता। मौर्यलोक स्थित स्टार्टअप सेंटर में सोमवार को उद्योग विभाग ने राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस मनाया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में स्टार्टअप उद्यमियों को संबोधित करते हुए बिहार के विकास आयुक्त विवेक कुमार सिंह ने कहा कि बिहार में स्टार्टअप इकोसिस्टम बेहतर बनाने के लिए उद्योग विभाग काम कर रहा है। बिहार में भी वर्ल्ड क्लास स्टार्टअप तैयार होने की पूरी संभावना है। स्टार्टअप इकाइयों को उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ाने और सतत प्रयत्नशील रहने के लिए कठिन मेहनत की जरूरत है। उन्होंने कहा कि काम के प्रति पूर्ण समर्पण, लगन और काम को अंजाम तक ले जाने की भावना ही स्टार्टअप को सफल बनाएगी। विकास आयुक्त ने कहा कि डिग्री प्राप्त कर लेना आसान है। लेकिन सपनों को जीने के लिए दिन-रात को एक कर देना होता है। स्टार्टअप उद्यमियों को न सिर्फ अपने सपने साकार करने हैं बल्कि अपने निवेशकों के सपनों को भी साकार करना है। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन करके विकास आयुक्त विवेक कुमार सिंह, उद्योग विभाग के प्रधान सचिव संदीप पौण्डरीक, सिडबी की महाप्रबंधक अनुभा प्रकाश, उद्योग निदेशक पंकज दीक्षित और चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना के निदेशक डॉ राणा सिंह ने किया। मौके पर उद्योग विभाग के प्रधान सचिव संदीप पौण्डरीक ने कहा कि स्टार्टअप के लिए पैशन, कमिटमेंट और अनलिमिटेड एनर्जी की आवश्यकता है। इनकी बदौलत ही स्टार्टअप को नयी ऊंचाइयों तक ले जाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार सुविधाएं उपलब्ध करा रही हैं। स्टार्टअप उद्यमी सही प्लानिंग और स्ट्रेटजी के साथ काम करते हुए

Sanmarg ! Page No - 02 ! Date - 17-01-2023 !

# बिहार में खड़े होंगे वर्ल्ड क्लास स्टार्टअप : विकास आयुक्त

पटना, वरीय संवाददाता। उद्योग विभाग द्वारा मौर्यलोक स्थित स्टार्टअप सेंटर बी हब में राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में राज्य के विकास आयुक्त विवेक कुमार सिंह ने कहा, बिहार में स्टार्टअप इकोसिस्टम बेहतर बनाने के लिए उद्योग विभाग काम कर रहा है। बिहार में वर्ल्ड क्लास स्टार्टअप तैयार होने की पूरी संभावना है।

कार्यक्रम में स्टार्टअप कंपनी देहात के सह-संस्थापक शशांक, ग्राम श्री किसान की आस्था सिंह, हस्तसंस्कृति प्रा. लि. की ममता और एग्रिक्स एग्रोटेक के डॉ. निलय पांडेय ने भी अपने विचार साझा किए। इस मौके पर चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. राणा सिंह, उद्योग निदेशक पंकज दीक्षित उपस्थित थे। उद्योग विभाग के प्रधान सचिव संदीप पौंड्रीक ने कहा, सरकार सुविधाएं उपलब्ध करा रही हैं। स्टार्टअप उद्यमी योजना व रणनीति के साथ काम करते हुए अपनी कंपनी को अंतरराष्ट्रीय मंच तक ले जाएं। जिससे बिहार का नाम रोशन हो।

Hindustan ! Page No - 06 !
Date - 17-01-2023 !